एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त

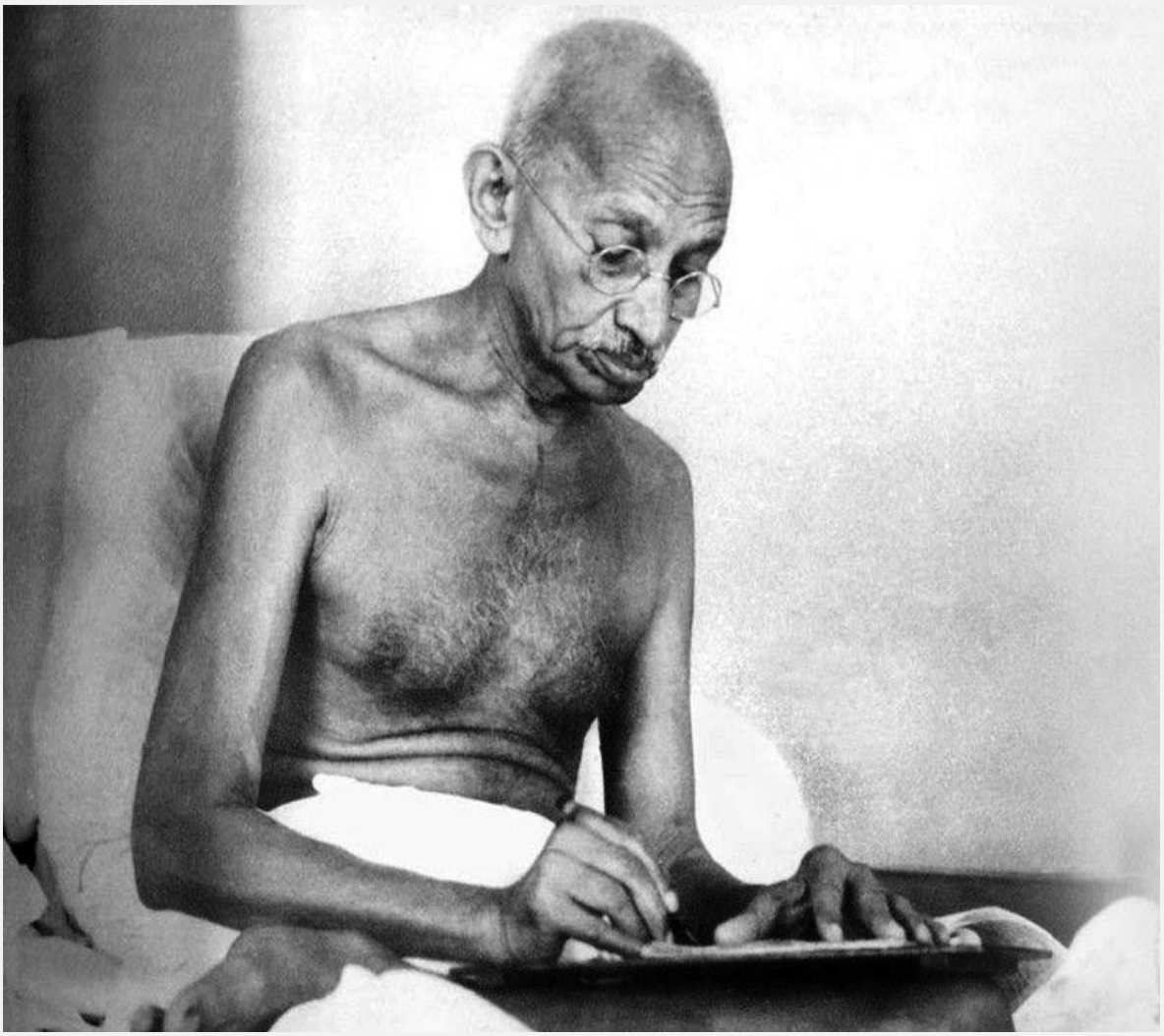

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के दूर शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के अध्ययनार्थ निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम परिकल्पना, संरचना एवं संयोजन :
पुरन्दरदास
अनुसंधान अधिकारी एवं पाठ्यक्रम संयोजक – एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रकाशक :
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र, पिन कोड : 442001
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

© महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रथम संस्करण : अप्रैल 2016
द्वितीय संशोधित-परिवर्धित संस्करण : जनवरी 2018

आवरण पृष्ठ पर संयुत महात्मा गाँधी का छायाचित्र इंटरनेट से साभार

इस कृति का कोई भी अंश लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

M.A. HINDI Curricula and Courses
For Directorate of Distance Education, M.G.A.H.V., Wardha
By Purandara Dass Course Coordinator, M.A. Hindi Programme
Published by M.G.A.H.V., Wardha
First Edition 2016
Second Edition 2018

मार्गदर्शन

प्रो॰ गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ आनन्द वर्धन शर्मा
प्रतिकुलपति एवं निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ अरबिन्द कुमार झा
प्रोफेसर, शिक्षा विद्यापीठ, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
एवं पूर्व निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ सूर्यप्रसाद दीक्षित
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

पाठ्यचर्या भारांक हेतु समिति

प्रो॰ आनन्द वर्धन शर्मा (अध्यक्ष)
प्रतिकुलपति एवं निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ कृष्ण कुमार सिंह (प्रथम समिति के अध्यक्ष)
विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग एवं पूर्व अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ चन्द्रकला त्रिपाठी (बाह्य सदस्य)
प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो॰ अरुण कुमार त्रिपाठी (सदस्य)
प्रोफेसर एडजंक्ट, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ रामानुज अस्थाना (प्रथम समिति के सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

डॉ॰ अशोकनाथ त्रिपाठी (प्रथम समिति के सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

श्री संदीप मधुकर सपकाले (प्रथम समिति के आमन्त्रित सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पुरन्दरदास (सदस्य सचिव)

पाठ्यचर्या संरचना सहयोग

प्रो॰ सूरज प्रसाद पालीवाल
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग एवं पूर्व अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ बुद्धिनाथ मिश्र
पूर्व मुख्य प्रबन्धक, राजभाषा, ओ॰एन॰जी॰सी॰

प्रो॰ अनिल कुमार पाण्डेय
विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

प्रो॰ कमलानन्द झा
प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

डॉ॰ राकेश कुमार मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

श्री संदीप कुमार वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यालयीय सहयोग

श्री विनोद रमेशचंद्र वैद्य
सहायक कुलसचिव, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्य-योजना

लक्ष्य : यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो स्वाध्याय केन्द्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य का सम्यक् अध्ययन कर हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं।

पात्रता : स्नातक उपाधि या समकक्ष उपाधि।

आयु : कोई सीमा नहीं।

पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अवधि : न्यूनतम दो (2) और अधिकतम चार (4) वर्ष।

सेमेस्टर की संख्या : चार (4)।

पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच (5) पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं। तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में कुल बीस (20) पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

अनिवार्य पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में चार (4) अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं । तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सोलह (16) अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

वैकल्पिक पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या स्वचयनानुसार विकल्पाधारित है। इसमें विद्यार्थी निर्दिष्ट विकल्पों में से स्वचयनानुसार विकल्प का चयन कर सकते हैं। तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में चार (4) वैकल्पिक पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

क्रेडिट : प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम चार (4) क्रेडिट निर्धारित हैं। तदनुसार प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अधिकतम बीस (20) क्रेडिट तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम अस्सी (80) क्रेडिट निर्धारित हैं। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सोलह (16) अनिवार्य पाठ्यचर्याओं के लिए अधिकतम चौसठ (64) तथा चार (4) वैकल्पिक पाठ्यचर्याओं के लिए अधिकतम सोलह (16) क्रेडिट निर्धारित हैं।

परियोजना कार्य : पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या परियोजना कार्य पर आधारित है। परियोजना कार्य पर आधारित इस पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम चार (4) क्रेडिट निर्धारित हैं।

मूल्यांकन पद्धति : पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की परियोजना कार्य पर आधारित पंचम पाठ्यचर्या का मूल्यांकन आतंरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा । शेष उन्नीस (19) पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन सत्रीय कार्य तथा सत्रांत परीक्षा द्वारा क्रमश: 30 : 70 के अनुपातानुसार किया जाएगा। इनमें सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आतंरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्यचर्या —› / सेमेस्टर ¬	प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
प्रथम सेमेस्टर	प्रारम्भिक हिन्दी काव्य	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी	भारतीय काव्यशास्त्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I	विकल्प I – प्रयोजनमूलक हिन्दी
					विकल्प II – लोक-साहित्य
द्वितीय सेमेस्टर	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास – II	विकल्प I – हिन्दी पत्रकारिता
					विकल्प II – हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण
तृतीय सेमेस्टर	आधुनिककालीन हिन्दी काव्य	हिन्दी आलोचना	हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	विकल्प I – हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण
					विकल्प II – सृजनात्मक लेखन
चतुर्थ सेमेस्टर	हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	हिन्दी के विविध गद्य-रूप	भाषाविज्ञान	नव सामाजिक विमर्श	विकल्प I – परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन
					विकल्प II – परियोजना कार्य : हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

- यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 4 सेमेस्टर में विभक्त है।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 5 पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं जिनमें प्रथम 4 पाठ्यचर्याएँ अनिवार्य हैं जबकि पंचम पाठ्यचर्या वैकल्पिक है। विद्यार्थी को निर्धारित 2 विकल्पों में से किसी 1 विकल्प का चयन पंचम पाठ्यचर्या के रूप में करना है।
- प्रति पाठ्यचर्या अधिकतम 4 क्रेडिट निर्धारित हैं। इस प्रकार प्रति सेमेस्टर अधिकतम 20 क्रेडिट (4 x 5 = 20) तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 क्रेडिट (4 x 20 = 80) निर्धारित हैं।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010
(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्यचर्या-सूची

कुल क्रेडिट : 80 (20 X 4)

क्र.सं.	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या	अनिवार्य / वैकल्पिक	पाठ्यचर्या कोड	पाठ्यचर्या का शीर्षक	पृ. क्र.
01.	प्रथम	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 01	प्रारम्भिक हिन्दी काव्य	01 – 01
02.	प्रथम	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 02	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी	02 – 03
03.	प्रथम	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 03	भारतीय काव्यशास्त्र	04 – 05
04.	प्रथम	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 04	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I	06 – 07
05.	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 05	प्रयोजनमूलक हिन्दी	08 – 08
06.	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 06	लोक-साहित्य	09 – 10
07.	द्वितीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 07	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	11 – 12
08.	द्वितीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 08	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	13 – 14
09.	द्वितीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 09	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	15 – 15
10.	द्वितीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 10	हिन्दी साहित्य का इतिहास – II	16 – 17
11.	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 11	हिन्दी पत्रकारिता	18 – 18
12.	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 12	हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	19 – 19
13.	तृतीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 13	आधुनिककालीन हिन्दी काव्य	20 – 21
14.	तृतीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 14	हिन्दी आलोचना	22 – 22
15.	तृतीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 15	हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	23 – 24
16.	तृतीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 16	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	25 – 26
17.	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 17	हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण	27 – 27
18.	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 18	सृजनात्मक लेखन	28 – 28
19.	चतुर्थ	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 19	हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	29 – 30
20.	चतुर्थ	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 20	हिन्दी के विविध गद्य-रूप	31 – 32
21.	चतुर्थ	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 21	भाषाविज्ञान	33 – 34
22.	चतुर्थ	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 22	नव सामाजिक विमर्श	35 – 36
23.	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 23	परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन	37 – 37
24.	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 24	परियोजना कार्य : हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन	38 – 39

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 01
पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रारम्भिक हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : लोक, सत्ता और प्रारम्भिक हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : प्रारम्भिक हिन्दी साहित्य की काव्य-प्रवृत्तियाँ

इकाई – 2 : मुक्तक-काव्य-परम्परा में प्रवहमान नीति, वीर, शृंगार तथा सुभाषितपरक दोहों का अनुशीलन

इकाई – 3 : अपभ्रंश-प्रभावित एवं अपभ्रंश-प्रभाव से मुक्त हिन्दी-रचनाएँ

खण्ड – 2 : रासो-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : 'पृथ्वीराज रासो' में तथ्य और कल्पना, प्रामाणिकता : ऐतिहासिक तथ्य, तिथि, भाषा तथा कवि सम्बन्धी मत

इकाई – 2 : 'पृथ्वीराज रासो' की साहित्यिकता, काव्य-रूप, छन्द-योजना, अलंकार-निरूपण, कथानक रूढ़ियाँ

इकाई – 3 : 'पृथ्वीराज रासो' का महाकाव्यत्व एवं काव्य-सौष्ठव

खण्ड – 3 : विद्यापति का पदावली साहित्य

इकाई – 1 : 'पदावली' की राधा-कृष्ण-कथा और उनका स्वरूप

इकाई – 2 : 'पदावली' का काव्य-सौष्ठव

इकाई – 3 : विद्यापति का प्रेम-दर्शन

इकाई – 4 : 'पदावली' की भाषा एवं अलंकार-विधान

इकाई – 5 : विद्यापति की काव्य-भाषा

खण्ड – 4 : अमीर ख़ुसरो का हिन्दवी काव्य

इकाई – 1 : ख़ुसरो की रचनाधर्मिता, प्रमुख रचनाएँ, पहेलियाँ, मुकरियाँ, दो सुखने, गज़ल, शेर आदि

इकाई – 2 : ख़ुसरो के काव्य की प्रकृति एवं विशेषताएँ

इकाई – 3 : हिन्दू-मुस्लिम साझी संस्कृति के आदिपुरुष के रूप में ख़ुसरो की प्रतिष्ठा, ख़ुसरो की हिन्दी निष्ठा एवं हिन्दी प्रेम, खड़ी बोली (हिन्दवी) के प्रथम एवं समर्थ कवि के रूप में ख़ुसरो की पहचान

इकाई – 4 : अमीर ख़ुसरो का हिन्दी काव्य : प्रामाणिकता की समस्या

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. पृथ्वीराज रासो – चन्दवरदाई (पद्मावती समय)
2. विद्यापति पदावली (चयनित पद)
3. अमीर ख़ुसरो का हिन्दवी काव्य (चयनित रचनाएँ)

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 02
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : उपन्यास और कहानी-साहित्य

इकाई – 1 : हिन्दी उपन्यास की क्रमिक विकास-यात्रा और परिवर्तित स्वरूप : प्रेमचंद-पूर्व हिन्दी उपन्यास, वर्गीकरण, सामाजिक, ऐतिहासिक, घटनात्मक उपन्यास; प्रेमचंद-युगीन हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास : प्रकृतवादी, व्यक्तिवादी, मनोविश्लेषणवादी, सामाजिक यथार्थवादी, ऐतिहासिक, पौराणिक, आंचलिक उपन्यास; आधुनिकता-बोध के उपन्यास, महिला उपन्यासकार

इकाई – 2 : हिन्दी कहानी की क्रमिक विकास-यात्रा और परिवर्तित स्वरूप : प्रारम्भिक कहानी, प्रेमचंद-पूर्व हिन्दी कहानी; प्रेमचंद-युग : हिन्दी कहानी का नवोन्मेष, प्रेमचंदोत्तर-युग में हिन्दी कहानी, नयी-कहानी, विविध कहानी आन्दोलन : साठोत्तरी-कहानी / समकालीन-कहानी / अ-कहानी, सचेतन-कहानी, सहज-कहानी, समान्तर-कहानी, जनवादी-कहानी, सक्रिय-कहानी; समकालीन कथाकार, महिला कहानीकार

खण्ड – 2 : गोदान

इकाई – 1 : महाकाव्यात्मक उपन्यास की दृष्टि से 'गोदान' का मूल्यांकन, 'गोदान' का कथा-शिल्प, 'गोदान' शीर्षक की सार्थकता

इकाई – 2 : 'गोदान' की पात्र-सृष्टि : ग्रामीण-पात्र बनाम नगरवासी-पात्र, पुरुष-पात्र बनाम स्त्री-पात्र, प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ, प्रेमचंद की नारी-दृष्टि

इकाई – 3 : 'गोदान': भारतीय कृषक की संघर्षमय जीवन-गाथा का जीवन्त दस्तावेज़ बनाम मध्यमवर्ग की समस्याओं का चित्रण

खण्ड – 3 : बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई – 1 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में इतिहास-बोध, सांस्कृतिक चेतना, इतिहास और कल्पना का मणिकांचन योग

इकाई – 2 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की आधुनिकता, 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का रचना-कौशल

इकाई – 3 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के नारी-पात्र और आचार्य द्विवेदी की उदात्त मूल्य-चेतना, निपुणिका की चरित-सृष्टि : रचनाकार की नारी मुक्ति की आकांक्षा

इकाई – 4 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में निपुणिका और भट्टिनि के चरित्रों के आधार पर प्रेम-दर्शन

खण्ड – 4 : कहानी – 1

इकाई – 1 : उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

इकाई – 2 : कफ़न – प्रेमचंद

इकाई – 3 : पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
इकाई – 4 : पत्नी – जैनेन्द्रकुमार
इकाई – 5 : हीली-बोन् की बत्तखें – अज्ञेय
इकाई – 6 : रसप्रिया – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
इकाई – 7 : परिन्दे – निर्मल वर्मा

खण्ड – 5 : कहानी – 2
इकाई – 1 : दोपहर का भोजन – अमरकान्त
इकाई – 2 : टूटना – राजेन्द्र यादव
इकाई – 3 : यही सच है – मन्नू भण्डारी
इकाई – 4 : वापसी – उषा प्रियंवदा
इकाई – 5 : बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
इकाई – 6 : अमृतसर आ गया है... – भीष्म साहनी
इकाई – 7 : मलबे का मालिक – मोहन राकेश

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :
01. गोदान – प्रेमचंद (चयनित अंश)
02. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी (चयनित अंश)
03. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
04. कफ़न – प्रेमचंद
05. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
06. पत्नी – जैनेन्द्रकुमार
07. हीली-बोन् की बत्तखें – अज्ञेय
08. रसप्रिया – फणीश्वरनाथ रेणु
09. परिन्दे – निर्मल वर्मा
10. दोपहर का भोजन – अमरकान्त
11. टूटना – राजेन्द्र यादव
12. यही सच है – मन्नू भण्डारी
13. वापसी – उषा प्रियंवदा
14. बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
15. अमृतसर आ गया है... – भीष्म साहनी
16. मलबे का मालिक – मोहन राकेश

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 03
पाठ्यचर्या का शीर्षक : भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट – 4

खण्ड – 01 : काव्य का स्वरूप
- इकाई – 1 : काव्य-लक्षण
- इकाई – 2 : काव्य-हेतु
- इकाई – 3 : काव्य-प्रयोजन

खण्ड – 02 : काव्य के भेद
- इकाई – 1 : काव्य के भेद

खण्ड – 03 : शब्द-शक्तियाँ
- इकाई – 1 : शब्द-शक्तियाँ : अर्थ और भेद

खण्ड – 04 : अलंकार सिद्धान्त
- इकाई – 1 : अलंकारों का वर्गीकरण, मूल स्थापनाएँ और मूल्यांकन

खण्ड – 05 : गुण सिद्धान्त
- इकाई – 1 : गुण : स्वरूप-विवेचन, काव्य-गुण और मूल्यांकन

खण्ड – 06 : रीति सिद्धान्त
- इकाई – 1 : रीति : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- इकाई – 2 : रीति के भेद या प्रकार, रीति एवं शैली (स्टाइल)

खण्ड – 07 : वक्रोक्ति सिद्धान्त
- इकाई – 1 : वक्रोक्ति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- इकाई – 2 : वक्रोक्ति के भेद, वक्रोत्ति एवं अभिव्यंजनावाद

खण्ड – 08 : ध्वनि सिद्धान्त
- इकाई – 1 : ध्वनि का अर्थ, लक्षण और स्वरूप, काव्यात्मा के रूप में ध्वनि, ध्वनि तथा रस सिद्धान्त का सम्बन्ध
- इकाई – 2 : ध्वनि-काव्य और उसके भेद, गुणीभूत व्यंग्य और उसके भेद, अधम काव्य (चित्रकाव्य)

खण्ड – 09 : रस सिद्धान्त

इकाई – 1 : रस : अर्थ एवं परिभाषा, भाव : स्वरूप और महत्त्व, रस तथा भाव का सम्बन्ध, रस के अवयव, रस का स्वरूप

इकाई – 2 : भरत के रससूत्र की व्याख्या, रस-निष्पत्ति : उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद

इकाई – 3 : रस और साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

इकाई – 4 : काव्य की आत्मा और रस, रस की सुख-दुःखात्मकता

खण्ड – 10 : औचित्य सिद्धान्त

इकाई – 1 : औचित्य : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, औचित्य के भेद

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 04
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – I

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1: हिन्दी साहित्य : इतिहास-लेखन

इकाई – 1 : साहित्य का इतिहास-दर्शन, आधारभूत सामग्री

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, इतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास-ग्रन्थ

इकाई – 3 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

इकाई – 4 : हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, पूर्वापर समय-सीमा निर्धारण एवं नामकरण

खण्ड – 2 : आदिकालीन हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : आदिकाल की पूर्वापर समय-सीमा निर्धारण, नाम-निर्धारण की समस्या एवं पृष्ठभूमि

इकाई – 2 : सिद्ध-नाथ एवं जैनादि कवियों की मानववादी विचारधारा एवं साहित्यिक अवदान

इकाई – 3 : रासो-काव्य-परम्परा, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य

इकाई – 4 : आदिकालीन हिन्दी साहित्य की आधारसामग्री की साहित्यिकता, प्रामाणिकता तथा काव्य-भाषा

खण्ड – 3 : भक्ति-आन्दोलन का उदय, तत्त्व-दृष्टि एवं जीवन-दर्शन

इकाई – 1 : भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति-आन्दोलन और लोक-जागरण

इकाई – 2 : भक्ति-आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख सम्प्रदाय, प्रमुख आचार्य, आलवार सन्त

इकाई – 3 : भक्तिकाव्य का स्वरूप एवं भेद, निर्गुण-सगुण की अवधारणा, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध, साम्य-वैषम्य

इकाई – 4 : भक्त-कवियों की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक दृष्टि : नारी, वर्ण-व्यवस्था, जाति

इकाई – 5 : भक्तिकाव्य और लोक-जीवन, भक्तिकालीन काव्य-मूल्यों की प्रासंगिकता

खण्ड – 4 : हिन्दी निर्गुण-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : भारतीय धर्म साधना और हिन्दी सन्त काव्य, निर्गुण सन्तकवियों का अवदान

इकाई – 2 : सन्तकवियों की सामाजिक चेतना

इकाई – 3 : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य

इकाई – 4 : सूफी कवियों की लोक-संसक्ति, सांस्कृतिक-दृष्टि, सूफी साहित्य की भाषा, काव्य-रूप तथा छन्द-योजना

खण्ड – 5 : हिन्दी सगुणभक्ति-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : कृष्णभक्ति काव्य का दार्शनिक आधार, कृष्णभक्ति-काव्य-परम्परा, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, पुष्टिमार्ग

इकाई – 2 : रामभक्ति काव्य का वैचारिक आधार, रामभक्ति-काव्य-परम्परा, रसिक सम्प्रदाय

इकाई – 3 : तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य-रूप और उनका महत्त्व

इकाई – 4 : तुलसी के समाज-दर्शन की प्रासंगिकता

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 05
पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : भाषिक स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ
- इकाई – 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : तात्पर्य एवं विषयक्षेत्र
- इकाई – 2 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ
- इकाई – 3 : प्रशासनिक भाषा के रूप में खड़ीबोली का विकास
- इकाई – 4 : कार्यालयी हिन्दी : मसौदा एवं टिप्पणी लेखन
- इकाई – 5 : पारिभाषिक शब्दावली : आवश्यकता, सिद्धान्त, विकास

खण्ड – 2 : राजभाषा हिन्दी की सांविधिक स्थिति एवं व्यवहार
- इकाई – 1 : संविधान में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधान
- इकाई – 2 : राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा नियम 1976
- इकाई – 3 : भारत सरकार के राजभाषा सम्बन्धी अनुदेश
- इकाई – 4 : राजभाषा कार्यान्वयन के विविध पहलू

खण्ड – 3 : राजभाषा प्रबन्धन
- इकाई – 1 : राजभाषा कार्मिकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण
- इकाई – 2 : राजभाषा सम्बन्धी वार्षिक वित्त प्रबन्धन
- इकाई – 3 : राजभाषा सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन
- इकाई – 4 : कार्यान्वयन की समुचित रिपोर्टिंग प्रणाली

खण्ड – 4 : अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
- इकाई – 1 : अनुवाद प्रक्रिया का सैद्धान्तिक स्वरूप
- इकाई – 2 : संप्रेषण में अनुवाद कला एवं कौशल की भूमिका
- इकाई – 3 : सांविधिक दस्तावेजों का अनुवाद : मुख्य ध्यातव्य बिन्दु
- इकाई – 4 : अनुवाद सम्बन्धी नवीनतम सुविधाओं का उपयोग

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 06
पाठ्यचर्या का शीर्षक : लोक-साहित्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : लोक-साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई – 1 : लोक, लोकवार्ता और लोक-साहित्य, लोक-साहित्य और संस्कृति, लोकवार्ता के तत्त्व और लोक-मानस, लोक-साहित्य में समानान्तरता और प्रसार

इकाई – 2 : भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी लोक-साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक-साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया, लोक-साहित्य संकलन

इकाई – 3 : लोक-साहित्य : लक्षण, परिभाषा और क्षेत्र, लोक-साहित्य और अन्य समाज-विज्ञान, हिन्दी के प्रारम्भिक साहित्य में लोकतत्त्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अन्तःसम्बन्ध

खण्ड – 2 : लोक-साहित्य के प्रमुख रूप : 1

इकाई – 1 : लोक-गीत : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, सामान्य प्रवृत्तियाँ और रूढ़ियाँ, लोकगीत एवं शिष्टगीत, लोकगीतों का वर्गीकरण : समस्या और समाधान, लोकगीतों के वर्गीकरण की परम्परा, लोकगीत के निर्माण तत्त्व, लोकगीतों में निरूपित संस्कृति, विभिन्न प्रकार के गीत यथा – संस्कार गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत आदि का परिचय, लोकगीतों में संगीत का विधान एवं वाद्य-यन्त्र, लोकगीतों के गाने में प्रयुक्त लोक-वाद्य, लोकगायक, लोकगायकों का वर्गीकरण, विशिष्ट लोक-धुनों का परिचय

इकाई – 2 : लोक-नाट्य : लक्षण-निर्धारण, नाट्यधर्मिताएँ, लोकनाट्यों का उद्‌भव एवं विकास, लोकनाट्य परम्परा एवं प्रविधि, लोकनाट्यों की विशेषताएँ, लोकमंच का स्वरूप और उसके उपादान, लोकनाट्यों की लोकप्रियता के कारण, लोकनाट्यों के प्रकार, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव, भारत के प्रसिद्ध लोकनाट्यों यथा – बहुरूप या नकल, नसीरा, भगत, रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, यक्षगान, भवाई, विदेसिया, माच, भांड, तमाशा, स्वाँग, नौटंकी, जात्रा, कथकली, ख्याल, तुर्राकलंगी, रम्मत आदि का परिचय

इकाई – 3 : लोक-नृत्य : परिभाषा, वैशिष्ट्य, उत्पत्ति, श्रेणी-विभाजन, भारतीय परम्परा, प्रस्तुतीकरण, भारत के प्रसिद्ध लोक-नृत्यों यथा – घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेरातली, डांडिया-गेर, भांगड़ा, गिद्दा, बिहू, पिण्डवानी, गरबा, गवाल-सींग, डिंडी और काला आदि का परिचय

इकाई – 4 : लोकोत्सव : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, वर्गीकरण, लोकोत्सवों की लोकप्रियता के कारण, भारत के विशिष्ट लोकोत्सव यथा – गणगौर, रामनवमी, गुरुपूर्णिमा, रक्षाबन्धन, हरियाली तीज एवं कजली तीज, नागपंचमी, जन्माष्टमी, गणेशचतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा

अथवा विजयादशमी, दीपावली, भाईदूज, शिवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, बसन्तपंचमी, होली आदि का परिचय

खण्ड – 3 : लोक-साहित्य के प्रमुख रूप : 2

इकाई – 1 : लोक-कथा : पुरातन परम्परा स्रोत, परिभाषा, लोक-कथाओं का शिल्प, विशेषताएँ, वर्गीकरण, फेबुल, व्रतकथा, परीकथा, लीजेण्ड, मिथ : पौराणिक कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय, छोगे एवं बात बणाव आदि, लोककथा कथन में कथक्कड़ की भूमिका

इकाई – 2 : लोक-गाथा : परिभाषा, विशेषताएँ, उत्पत्ति, श्रेणी-विभाजन, भारतीय परम्परा, प्रस्तुतीकरण, भारत की प्रसिद्ध लोक-गाथाओं यथा – ढोला-मारू, भरथरी, लोरिकायन, नल-दमयन्ती, लैला-मझनूँ, हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल, बगडावत, आल्हा, हरदौल, पाबूजी री पड़, वीर तेजा आदि का परिचय

इकाई – 3 : प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्ति – परम्परा, उद्‌भव और विकास, लक्षण, परिभाषा एवं वर्गीकरण, मुहावरे – मुहावरों और लोकोक्तियों का अन्तर, मुहावरों के प्रकार, लोकोक्तियों और मुहावरों में लोकसंस्कृति का प्रतिबिम्ब, पहेलियाँ – उद्‌भव और विकास, परम्परा, वर्गीकरण, लघुगीत

इकाई – 4 : लोक कलाएँ : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, लोक-कला की शिल्प-कलाएँ, विशेषताएँ, वर्गीकरण, भारत की प्रसिद्ध लोक-कलाओं यथा – माँडणा, मेहँदी, पटचित्र, भित्तिचित्र आदि का परिचय

खण्ड – 4 : हिन्दी का लोक-साहित्य

इकाई – 1 : हिन्दी के लोक-साहित्य का इतिहास, विभिन्न जनपदीय बोलियाँ यथा – राजस्थानी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, हरियाणवी, खड़ीबोली, कुमाऊँनी, गढ़वाली, छत्तीसगढ़ी, बघेली, मालवी, कन्नौजी और लोक-साहित्य

इकाई – 2 : हिन्दी-लोक-साहित्य के अग्रणी विद्वानों यथा – संकलन-संग्रह करने वाले विद्वान, अध्ययन की प्रेरणा देने वाले विद्वान एवं अनुसंधान करने वाले विद्वान आदि के कार्यों की समीक्षा, हिन्दी-प्रदेश का लोक-साहित्य : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ

इकाई – 3 : हिन्दी की विभिन्न जनपदीय बोलियाँ यथा – राजस्थानी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, हरियाणवी, खड़ीबोली, कुमाऊँनी, गढ़वाली, छत्तीसगढ़ी, बघेली, मालवी, कन्नौजी आदि के लोक-साहित्य का लोक-गीत, लोकनाट्य, लोक-नृत्य, लोकोत्सव, लोककथा, लोकगाथा, प्रकीर्ण साहित्य, लोक कलाओं आदि प्रमुख रूपों के अन्तर्गत परिचय

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 07
पाठ्यचर्या का शीर्षक : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी निर्गुण-काव्य

इकाई – 1 : निर्गुण सन्त-काव्य में निर्गुण ब्रह्म का स्वरूप, सद्‌गुरु का महत्त्व और माया सम्बन्धी विचार
इकाई – 2 : निर्गुण सन्तकवियों की विचार चेतना और उसकी प्रासंगिकता
इकाई – 3 : कबीर की रहस्यवादी चेतना का स्वरूप
इकाई – 4 : जायसी के काव्य में रहस्यवाद, विरह-वर्णन, प्रेम-व्यंजना, सौन्दर्यदृष्टि
इकाई – 5 : 'पद्‌मावत' में रूपकतत्त्व एवं लोकतत्त्व का निर्वहन

खण्ड – 2 : हिन्दी सगुणभक्ति-काव्य

इकाई – 1 : भ्रमरगीत परम्परा में सूर की मौलिक उद्‌भावना
इकाई – 2 : भ्रमरगीत का काव्य-सौष्ठव, भाव-सौन्दर्य, वाग्वैभव तथा विरह-वर्णन
इकाई – 3 : तुलसी के राम का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में साम्य-वैषम्य
इकाई – 4 : 'मानस' का महाकाव्यत्व, 'मानस' में सौन्दर्यतत्त्व, 'मानस' का वैशिष्ट्य
इकाई – 5 : 'अयोध्याकाण्ड' में भक्ति का स्वरूप, 'चित्रकूट सभा' का वैशिष्ट्य

खण्ड – 3 : रीतिबद्ध एवं रीतिसिद्ध काव्य

इकाई – 1 : केशव का आचार्यत्व, केशव का संवाद-सौष्ठव, केशव की हृदयहीनता
इकाई – 2 : 'रामचन्द्रिका' का महाकाव्यत्व
इकाई – 3 : बिहारी : मुक्तक कवि की दृष्टि से
इकाई – 4 : बिहारी की बहुज्ञता : लोकसम्बन्धी एवं विविध शास्त्रसम्बन्धी ज्ञान
इकाई – 5 : बिहारी सतसई में शृंगार निरूपण, नख-शिख वर्णन

खण्ड – 4 : रीतीतर एवं रीतिमुक्त काव्य

इकाई – 1 : सन्तकवि सुन्दरदास की भक्ति-भावना, सुन्दरदास और लोकधर्म
इकाई – 2 : सुन्दरदास की बहुज्ञता, सुन्दरदास का काव्यकलागत वैशिष्ट्य
इकाई – 3 : भूषण के काव्य में युग-बोध; भूषण की राष्ट्रीय भावना; भूषण : एक जातीय कवि अथवा राष्ट्रीय कवि
इकाई – 4 : घनानन्द की प्रेमानुभूति, विरहानुभूति, भगवद्‌भक्ति
इकाई – 5 : घनानन्द का भाषा-सौष्ठव

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. कबीर (चयनित साखी तथा पद)

2. पद्मावत – मलिक मुहम्मद जायसी (नागमती वियोग खण्ड)
3. भ्रमरगीत – सूरदास (चयनित पद)
4. रामचरितमानस – तुलसीदास (अयोध्याकाण्ड – चयनित अंश)
5. रामचन्द्रिका – केशवदास (सोलहवाँ प्रकाश – रावण-अंगद-संवाद)
6. बिहारी (चयनित दोहा)
7. सुन्दर-विलास – सुन्दरदास (उपदेश चितावनी कौ अंग)
8. भूषण (चयनित छन्द)
9. घनानन्द (चयनित छन्द)

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 08
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी नाटक साहित्य

इकाई – 1 : नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व, नाटक के प्रकार

इकाई – 2 : नाटक का उद्‌भव एवं विकास : भारतेन्दु-पूर्व युग, भारतेन्दु युग, संक्रान्ति युग, अनूदित नाटक, प्रसादयुगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक, समकालीन नाटककार, महिला नाटककार

इकाई – 3 : एकांकी नाटक का स्वरूप और क्रमिक विकास

इकाई – 4 : गीतिनाट्य : स्वरूप और परम्परा, प्रमुख गीतिनाट्य

इकाई – 5 : नुक्कड़ नाटक : स्वरूप, सम्प्रेषण की तीव्रता, प्रमुख नुक्कड़ नाटक

खण्ड – 2 : रंगमंच : एक प्रदर्शनकारी कला

इकाई – 1 : रंगमंच की परिकल्पना, व्याख्या, प्रकृति तथा स्वरूप : परिचयात्मक पाठ

इकाई – 2 : प्रदर्शन की विविध इकाइयाँ : मंचन, प्रदर्शन, प्रस्तुति आदि

इकाई – 3 : नाट्य-लेखन की समीक्षा

इकाई – 4 : भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णित अभिनय

खण्ड – 3 : अन्धेर नगरी

इकाई – 1 : 'अन्धेर नगरी' में व्यंग्य-विधान

इकाई – 2 : 'अन्धेर नगरी' की प्रासंगिकता

इकाई – 3 : रंगमंच की दृष्टि से 'अन्धेरनगरी'

इकाई – 4 : 'अन्धेर नगरी' का भाषा-शिल्प

खण्ड – 4 : चन्द्रगुप्त

इकाई – 1 : प्रसाद की नाट्यकला और 'चन्द्रगुप्त' नाटक

इकाई – 2 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक में अभिव्यक्त सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 3 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक में 'अन्तर्द्वन्द्व' का महत्त्व

इकाई – 4 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक की पात्र-संयोजना एवं प्रमुख पात्रों का चारित्रिक वैशिष्ट्य

इकाई – 5 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक का भाषा-शिल्प

खण्ड – 5 : अन्धा युग

इकाई – 1 : मिथकीय आख्यान का पुनर्सृजन

इकाई – 2 : 'अन्धा युग' में चरित्र-सृष्टि

इकाई – 3 : नाट्य-शिल्प, प्रयोगधर्मिता और नाट्यभाषा की दृष्टि से नाटक का वैशिष्ट्य

इकाई – 4 : शीर्षक की सार्थकता एवं 'अन्धा युग' का प्रतिपाद्य

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. अन्धेर नगरी चौपट्ट राजा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. चन्द्रगुप्त – जयशंकर 'प्रसाद' (चयनित अंश)
3. अन्धा युग – धर्मवीर भारती (चौथा अंक – गान्धारी का शाप)

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 09
पाठ्यचर्या का शीर्षक : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : प्रमुख विचारक – 1
- इकाई – 1 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक अरस्तू
- इकाई – 2 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक लोंजाइनस
- इकाई – 3 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक विलियम वर्ड्सवर्थ
- इकाई – 4 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक सैम्युअल टेलर कॉलरिज

खण्ड – 2 : प्रमुख विचारक – 2
- इकाई – 1 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक मैथ्यू आर्नल्ड
- इकाई – 2 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक बेनेदितो क्रोचे
- इकाई – 3 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक टी. एस. एलियट
- इकाई – 4 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक आई. ए. रिचर्ड्स

खण्ड – 3 : सिद्धान्त और वाद
- इकाई – 1 : स्वच्छन्दतावाद
- इकाई – 2 : मार्क्सवाद
- इकाई – 3 : मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद
- इकाई – 4 : रूपवाद

खण्ड – 4 : आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ
- इकाई – 1 : संरचनावाद
- इकाई – 2 : शैलीविज्ञान
- इकाई – 3 : उत्तर-आधुनिकतावाद
- इकाई – 4 : विखण्डनवाद

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 10
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – II

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : रीतिकालीन हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : नामकरण की समस्या, विभिन्न मत, नाम-निर्धारण, रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं परिवेश

इकाई – 2 : रीतिकालीन काव्य का स्वरूप

इकाई – 3 : काव्यानुभूति के विविध आयाम : शृंगार-वर्णन, नायिका-भेद, सौन्दर्य-बोध, प्रकृति-चित्रण

इकाई – 4 : अभिव्यंजना शिल्प : भाषा, शैली, रस, छन्द, अलंकार आदि काव्यांग

खण्ड – 2 : आधुनिक काल : पूर्वपीठिका

इकाई – 1 : आधुनिकता की अवधारणा, आधुनिकता से अभिप्राय, नामकरण

इकाई – 2 : सांस्कृतिक चेतना और नवजागरण, नवजागरण की अवधारणा, परिस्थितियाँ

इकाई – 3 : हिन्दी कविता और आधुनिकता ; हिन्दी कविता की भाषा : ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, रीतिकाल का विरोध

इकाई – 4 : हिन्दी गद्य का विकास, दक्षिणी हिन्दी, उत्तर भारत में हिन्दी गद्य, खड़ी बोली गद्य और फोर्ट विलियम कॉलेज

खण्ड – 3 : पुनर्जागरण, नवजागरण और स्वच्छन्दता

इकाई – 1 : सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा भारतेन्दु और उनका मण्डल

इकाई – 2 : भारतेन्दुयुगीन नाटक, काव्य, निबन्ध, साहित्यिक पत्रकारिता और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 3 : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, जागरण-सुधार, हिन्दी प्रचार कार्य, हिन्दी पाठकों में वृद्धि

इकाई – 4 : द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की ऐतिहासिक भूमिका, द्विवेदीयुगीन कथा-साहित्य, साहित्यिक पत्रकारिता और 'सरस्वती' पत्रिका का योगदान, नवजागरण के सन्दर्भ में 'सरस्वती' पत्रिका का अवदान, विविध विषयपरक अनूदित साहित्य और अन्य गद्य-विधाएँ, हिन्दी आलोचना का आरम्भिक विकास

खण्ड – 4 : छायावाद युग : छायावादी काव्य और उसके समानान्तर विकसित गद्य-साहित्य

इकाई – 1 : छायावाद की पृष्ठभूमि, नामकरण, छायावाद के कवि और उनका काव्य

इकाई – 2 : छायावादी युग की अन्य काव्यधाराएँ, राष्ट्रीय कविता, प्रेम-व्यंजना एवं काव्य का विचलन

इकाई – 3 : प्रेमचंद और हिन्दी कथा-साहित्य

इकाई – 4 : प्रसाद और उनके समकालीन नाटककार

इकाई – 5 : शुक्लयुगीन आलोचना, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

खण्ड – 5 : छायावादोत्तर युग और स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

इकाई – 2 : प्रेमचन्दोत्तर कथा-साहित्य, प्रसादोत्तर नाटक और एकांकी, शुक्लोत्तर आलोचना, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 3 : नयी कविता, साठोत्तरी कविता आन्दोलन, समकालीन कविता, नवगीत, हिन्दी ग़ज़ल

इकाई – 4 : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास, कहानी, आलोचना, नाटक, एकांकी, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 5 : प्रवासी भारतीयों का हिन्दी लेखन

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 11
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
- इकाई – 1 : भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- इकाई – 2 : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम : लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग, सम्पादन
- इकाई – 3 : हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का क्रमिक विकास
- इकाई – 4 : पत्रकारिता-केन्द्रित साहित्य
- इकाई – 5 : हिन्दी और आंचलिक पत्रकारिता

खण्ड – 2 : हिन्दी पत्रकारिता का उदय और विकास
- इकाई – 1 : उद्‌बोधन काल
- इकाई – 2 : स्वातन्त्र्य संघर्ष काल
- इकाई – 3 : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता

खण्ड – 3 : हिन्दी पत्रकारिता का विस्तार
- इकाई – 1 : हिन्दीभाषी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 2 : गैर-हिन्दीभाषी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 3 : वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी पत्रकारिता

खण्ड – 4 : जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 1 : रेडियो और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 2 : टेलीविजन और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 3 : सिनेमा और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 4 : नव जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता (ऑन-लाइन पत्रकारिता, हिन्दी ब्लॉग, हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी ई-पोर्टल, हिन्दी वेबसाइट्स तथा हिन्दी विकीपीडिया के सन्दर्भ में)

खण्ड – 5 : हिन्दी पत्रकारिता के गौरव और उनका अवदान
- इकाई – 1 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मदनमोहन मालवीय, महावीरप्रसाद द्विवेदी, युगल किशोर सुकुल, बालमुकुन्द गुप्त
- इकाई – 2 : बाबूराव विष्णु पराडकर, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', प्रेमचंद, स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय
- इकाई – 3 : माखनलाल चतुर्वेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, बनारसीदास चतुर्वेदी, प्रभाष जोशी

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – II

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 12

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : कंप्यूटर और हिन्दी

इकाई – 1 : कंप्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास

इकाई – 2 : कंप्यूटर और हिन्दी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई – 3 : कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग

इकाई – 4 : हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

इकाई – 1 : हिन्दी फ़ॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात्

इकाई – 2 : हिन्दी कुंजीपटल का स्वरूप एवं विकास

इकाई – 3 : हिन्दी के विभिन्न कुंजीपटलों के सन्दर्भ में एम.एस. ऑफिस का अध्ययन, हिन्दी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेजमेकर में कार्य

खण्ड – 3 : कंप्यूटर पर हिन्दी लेखन एवं प्रकाशन

इकाई – 1 : हिन्दी वेब डिज़ाइनिंग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी ई-पोर्टल और हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण

इकाई – 2 : इंटरनेट पर सामग्री सृजन, हिन्दी ब्लॉग लेखन-प्रकाशन, इनकोडिंग, फाइल शेयरिंग, फाइल कन्वर्ज़न, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, यू-ट्यूब

इकाई – 3 : हिन्दी विकिपीडिया लेखन और उसकी विकास-प्रक्रिया का अध्ययन

इकाई – 4 : हिन्दी लेखन एवं वेब प्रकाशन के आवश्यक उपकरण : वर्ड प्रोसेसिंग, डेटा प्रोसेसिंग, फ़ॉण्ट प्रबन्धन, विविध तकनीक

खण्ड – 4 : कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की उपादेयता

इकाई – 1 : हिन्दी भाषा-शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला

इकाई – 2 : हिन्दी भाषा और ई-गवर्नेंस, साइबर क़ानून

इकाई – 3 : राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की भूमिका

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 13
पाठ्यचर्या का शीर्षक : आधुनिककालीन हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी नवजागरण काव्य

इकाई – 1 : भारतेन्दु के काव्य में पुनर्जागरण की चेतना का स्वरूप, राष्ट्रीय भावना, सामाजिक चेतना, निजभाषा प्रेम, नवीन भाषा एवं विविध काव्य-विधाओं का सूत्रपात, 'देखी तुमरी कासी' में अभिव्यक्त समाज

इकाई – 2 : द्विवेदीयुगीन कविता की ऐतिहासिक भूमिका, राष्ट्रीयता की भावना, सामाजिकता, श्रीधर पाठक का काव्यगत वैशिष्ट्य

इकाई – 3 : 'हरिऔध' का काव्य-शिल्प, 'प्रियप्रवास' का सामयिक सन्दर्भ, विश्वप्रेम

इकाई – 4 : मैथिलीशरण गुप्त का काव्य-शिल्प, गुप्त के काव्य में युगीन परिवेश, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना, 'साकेत' में उर्मिला की विरह-भावना, 'साकेत' में लोक-कल्याण की भावना

इकाई – 5 : रामनरेश त्रिपाठी का काव्यगत वैशिष्ट्य, 'पथिक' का सन्देश

खण्ड – 2 : छायावादी काव्य

इकाई – 1 : 'कामायनी' में निहित आधुनिक सन्दर्भ, दर्शन, परम्परा और आधुनिकता, कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपकतत्त्व, प्रसाद की सौन्दर्य चेतना, समरसतावादी दृष्टि

इकाई – 2 : लम्बी कविता के रूपबंध की दृष्टि से 'राम की शक्तिपूजा', मानवीय चेतना का काव्य, आत्मसंघर्ष का कथ्य, प्रासंगिकता

इकाई – 3 : पन्त की काव्य-कला, पन्त की सौन्दर्य चेतना

इकाई – 4 : महादेवी का गीति सौष्ठव, विरहानुभूति, 'दीपक' का प्रतीकार्थ

खण्ड – 3 : छायावादोत्तर काव्य

इकाई – 1 : प्रगतिशीलता की अवधारणा, प्रगतिवाद का मूल भाव, प्रगतिवादी साहित्य का वैचारिक आधार

इकाई – 2 : प्रगतिशील कवियों की जनवादी चेतना, सामाजिक चेतना

इकाई – 3 : रामधारीसिंह दिनकर के काव्य में निहित राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 4 : केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में अभिव्यक्त किसान संवेदना, काव्य-शिल्प

इकाई – 5 : नागार्जुन की कविता में अभिव्यक्त लोकदृष्टि, नागार्जुन के काव्य का रचना-विधान, संवेदना के रूप

खण्ड – 4 : प्रयोगवादी काव्य और नयी कविता

इकाई – 1 : प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की काव्य-दृष्टि का अन्तर, नये पथ के अन्वेषण की भावना, नये शिल्प का प्रयोग, प्रयोगवाद और नकेनवाद का अन्तर, नयी कविता की काव्य-भाषा का नयापन, लघु मानव की प्रतिष्ठा

इकाई – 2 : 'असाध्य वीणा' का मूल प्रतिपाद्य, अज्ञेय के काव्य में आधुनिक भावबोध, काव्य-भाषा और काव्य-शिल्प

इकाई – 3 : 'अँधेरे में' कविता का मूल प्रतिपाद्य, मुक्तिबोध और फैंटेसी, मुक्तिबोध का काव्य-शिल्प, मुक्तिबोध का जीवन-दर्शन

इकाई – 4 : रघुवीर सहाय की राजनैतिक चेतना, रघुवीर सहाय का भाषा-शिल्प

इकाई – 5 : मिथकीय चेतना और नयी कविता, कुँवर नारायण की मिथकीय चेतना

इकाई – 6 : केदारनाथ सिंह की कविताओं का कथ्य, बिम्ब-विधान, बिम्ब और प्रतीक का अन्तर

खण्ड – 5 : समकालीन हिन्दी कविता

इकाई – 1 : साठोत्तरी कविता आन्दोलन : विद्रोही पीढ़ी, अ-कविता, बीट पीढ़ी, युयुत्सावादी कविता, श्मशानी कविता, वाम कविता, सहज कविता, विचार कविता

इकाई – 2 : समकालीन हिन्दी कविता, काव्य-दृष्टि, काल संसक्ति, लोक संसक्ति, आधुनिकता और समकालीनता का अन्तर

इकाई – 3 : नवगीत : अर्थ एवं महत्त्व, हिन्दी नवगीत परम्परा, प्रमुख नवगीतकार

इकाई – 4 : ग़ज़ल का मिज़ाज, भाषिक वैशिष्ट्य, हिन्दी ग़ज़ल परम्परा, प्रमुख ग़ज़लकार

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. प्रेमजोगिनी नाटिका – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, (प्रथम अंक : दूसरा गर्भांक – देखी तुमरी कासी)
02. देश-गीत, सुन्दर भारत, स्वदेश-विज्ञान – श्रीधर पाठक
03. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (सप्तदश सर्ग)
04. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त (नवम सर्ग – चयनित अंश)
05. पथिक – रामनरेश त्रिपाठी (दूसरा सर्ग)
06. कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिन्ता, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
07. राम की शक्ति-पूजा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
08. परिवर्तन – सुमित्रानन्दन पन्त
09. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुःख की बदली – महादेवी वर्मा
10. मंगल-आह्वान, हिमालय – रामधारी सिंह 'दिनकर'
11. गाँव का महाजन, पैतृक सम्पत्ति, वह चिड़िया जो – केदारनाथ अग्रवाल
12. अन्न-पचीसी, पुरानी जूतियों का कोरस – नागार्जुन
13. असाध्य वीणा – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
14. अँधेरे में – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
15. आत्महत्या के विरुद्ध, एक समय था, अनाज के इस्तेमाल – रघुवीर सहाय
16. नचिकेता, उपसंहार, चक्रव्यूह – कुँवर नारायण
17. पानी की प्रार्थना, लुखरी, चींटियों की रुलाई – केदारनाथ सिंह

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 14
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी आलोचना

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : आलोचना की सैद्धान्तिकी और विकास
- इकाई – 1 : आलोचना का स्वरूप
- इकाई – 2 : आलोचना का विकास: भारतेन्दुयुगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना
- इकाई – 3 : शुक्लयुगीन आलोचना
- इकाई – 4 : शुक्लोत्तरयुगीन आलोचना

खण्ड – 2 : प्रमुख आलोचक
- इकाई – 1 : रामचन्द्र शुक्ल
- इकाई – 2 : नन्ददुलारे वाजपेयी
- इकाई – 3 : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- इकाई – 4 : रामविलास शर्मा

खण्ड – 3 : कवि आलोचक
- इकाई – 1 : कवि आलोचक जयशंकर प्रसाद
- इकाई – 2 : कवि आलोचक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- इकाई – 3 : कवि आलोचक गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
- इकाई – 4 : कवि आलोचक विजयदेवनारायण साही

खण्ड – 4 : कवि आचार्य शिक्षण परम्परा
- इकाई – 1 : कवि आचार्य केशवदास
- इकाई – 2 : कवि आचार्य चिन्तामणि
- इकाई – 3 : कवि आचार्य देव
- इकाई – 4 : कवि आचार्य भिखारीदास

खण्ड – 5 : हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- इकाई – 1 : व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक
- इकाई – 2 : तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी
- इकाई – 3 : सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय
- इकाई – 4 : मार्क्सवादी एवं प्रगतिशील आलोचना

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 15
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी भाषा का विकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई – 1 : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
इकाई – 2 : मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
इकाई – 3 : आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा-समुदाय

इकाई – 1 : हिन्दी शब्द का अर्थ और प्रयोग
इकाई – 2 : हिन्दी भाषा-समुदाय का वर्गीकरण
इकाई – 3 : भाषा-समुदाय – प्रथम वर्ग (हिन्दी की उपभाषाएँ) : राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी भाषाएँ
इकाई – 4 : भाषा-समुदाय – द्वितीय वर्ग (हिन्दी की बोलियाँ) : पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर, पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ – खड़ीबोली, बांगरू, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुन्देली का परिचय, पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ – अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी का परिचय)
इकाई – 5 : भाषा-समुदाय – तृतीय वर्ग (हिन्दी की विभाषाएँ) : हिन्दवी, दक्खिनी हिन्दी, रेख़्ता, उर्दू, हिन्दुस्तानी

खण्ड – 3 : हिन्दी की भाषा संरचना

इकाई – 1 : हिन्दी ध्वनियों का निरूपण : उच्चारण अवयव, ध्वनियों का वर्गीकरण, सन्धि तथा उसके भेद-प्रभेद
इकाई – 2 : हिन्दी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, उपसर्ग और परसर्ग में अन्तर
इकाई – 3 : व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर हिन्दी शब्द वर्ग : (i) विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया (ii) अविकारी शब्द – क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात
इकाई – 4 : भाषा संरचना की व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, कारक, काल, पक्ष, वृत्ति तथा वाच्य
इकाई – 5 : हिन्दी वाक्य-रचना : वाक्य के प्रकार, उपवाक्य, उपवाक्य के प्रकार, पदक्रम और अन्विति

खण्ड – 4 : हिन्दी के विविध रूप

इकाई – 1 : भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी
इकाई – 2 : माध्यम भाषा, संचार भाषा
इकाई – 3 : हिन्दी का आधुनिक विकास और सांवैधानिक स्थिति
इकाई – 4 : हिन्दी का वैश्विक रूप

खण्ड – 5 : लिपि का उदय और विकास

इकाई – 1 : लिपि का विकास

इकाई – 2 : भारतीय लिपियाँ और देवनागरी लिपि

इकाई – 3 : देवनागरी लिपि : नामकरण के आधार, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

इकाई – 4 : देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानकीकरण

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 16
पाठ्यचर्या का शीर्षक : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई – 1 : भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य का इतिहास, आधुनिक भारतीय साहित्य : प्रवृत्त्यात्मक परिचय

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई – 3 : भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब

इकाई – 4 : भारतीयता का समाजशास्त्र

खण्ड – 2 : काव्य

इकाई – 1 : उर्दू : किया तुझ इश्क़ ने ज़ालिम ख़राब आहिस्ता आहिस्ता, सरोदे ऐश गावें हम अगर वो इश्वासाज़ आवे – वली दक्कनी

इकाई – 2 : बांग्ला : ब्राह्मण, भारत तीर्थ, धूलि-मन्दिर – रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई – 3 : तमिल : रे विदेशियो ! भेद न हममें, सब शत्रुभाव मिट जाएँगे – सुब्रह्मण्यम् भारती

इकाई – 4 : पंजाबी : सबसे ख़तरनाक, मेरी बुलबुल – पाश

इकाई – 5 : संताली : क्या तुम जानते हो, बिटिया मुर्मू के लिए, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा ! – निर्मला पुतुल

खण्ड – 3 : उपन्यास

इकाई – 1 : मलयालम : मछुआरे – तकषि शिवशंकर पिल्लै

इकाई – 2 : ओड़िया : महामोह – प्रतिभा राय

खण्ड – 4 : नाटक

इकाई – 1 : मराठी : खामोश ! अदालत जारी है – विजय तेंडुलकर

इकाई – 2 : कन्नड़ : तुग़लक – गिरीश कार्नाड

खण्ड – 5 : कहानी

इकाई – 1 : बांग्ला : काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई – 2 : उर्दू : टोबा टेकसिंह – सआदत हसन मंटो

इकाई – 3 : राजस्थानी : दुविधा – विजयदान देथा

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. किया तुझ इश्क़ ने ज़ालिम ख़राब आहिस्ता आहिस्ता, सरोदे ऐश गावें हम अगर वो इश्वासाज़ आवे – वली दक्कनी

02. ब्राह्मण, भारत तीर्थ, धूलि-मन्दिर – रवीन्द्रनाथ टैगोर
03. रे विदेशियो ! भेद न हममें, सब शत्रुभाव मिट जाएँगे – सुब्रह्मण्यम् भारती
04. सबसे ख़तरनाक, मेरी बुलबुल – पाश
05. क्या तुम जानते हो, बिटिया मुर्मू के लिए, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा ! – निर्मला पुतुल
06. मछुआरे – तकषि़ शिवशंकर पिल्लै (चयनित अंश)
07. महामोह – प्रतिभा राय (चयनित अंश)
08. ख़ामोश ! अदालत जारी है – विजय तेंडुलकर (चयनित अंश)
09. तुग़लक – गिरीश कार्नाड (चयनित अंश)
10. काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर
11. टोबा टेकसिंह – सआदत हसन मंटो
12. दुविधा – विजयदान देथा

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 17
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भाषा और भाषा-शिक्षण
- इकाई – 1 : भाषा : अवधारणा और स्वरूप
- इकाई – 2 : भाषा-शिक्षण की अवधारणा
- इकाई – 3 : पाठ्यक्रम की प्रकृति, निर्धारण और उसका विकास
- इकाई – 4 : भाषा मूल्यांकन और परीक्षण

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा-संरचना
- इकाई – 1 : ध्वनि संरचना
- इकाई – 2 : शब्द संरचना
- इकाई – 3 : रूप संरचना
- इकाई – 4 : वाक्य संरचना

खण्ड – 3 : भाषा-शिक्षण : प्रविधि और अधिगम
- इकाई – 1 : भाषा-शिक्षण विधियाँ
- इकाई – 2 : उत्तरसंरचना विधियाँ
- इकाई – 3 : भाषा-शिक्षण में कंप्यूटर और मल्टीमीडिया का अनुप्रयोग
- इकाई – 4 : ऑन-लाइन भाषा-शिक्षण

खण्ड – 4 : हिन्दी भाषा-शिक्षण (मातृभाषा और अन्य भाषा के सन्दर्भ में)
- इकाई – 1 : वाचन और लेखन
- इकाई – 2 : हिन्दी श्रवण और भाषण-क्षमता का विकास
- इकाई – 3 : शब्दावली और व्याकरण
- इकाई – 4 : साहित्य-शिक्षण

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 18
पाठ्यचर्या का शीर्षक : सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियम
- इकाई – 1 : सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र और महत्त्व
- इकाई – 2 : रचना प्रक्रिया
- इकाई – 3 : रचना का उद्देश्य : स्वरूप की प्राप्ति
- इकाई – 4 : विषयवस्तु का निर्धारण

खण्ड – 2 : सृजनात्मकता के सामाजिक-दार्शनिक आधार
- इकाई – 1 : लेखक की सामाजिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचार
- इकाई – 2 : लेखक के सामाजिक सरोकार
- इकाई – 3 : सृजनात्मकता में राजनैतिक विचारों का महत्त्व
- इकाई – 4 : लेखकीय मनोविज्ञान

खण्ड – 3 : फ़ीचर लेखन
- इकाई – 1 : फ़ीचर लेखन : परिचय, अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व
- इकाई – 2 : संचार माध्यम और विभिन्न विषयों पर फ़ीचर लेखन
- इकाई – 3 : रिपोर्ताज : अर्थ एवं स्वरूप
- इकाई – 4 : रेडियो लेखन, वार्ता लेखन, पटकथा लेखन, कविता लेखन

खण्ड – 4 : हिन्दी सृजनात्मक लेखन में नवाचार
- इकाई – 1 : समकालीन पॉपुलर साहित्य : परिचय एवं प्रकार
- इकाई – 2 : लप्रेक एवं यूनी कवि : परिचय एवं वैशिष्ट्य
- इकाई – 3 : गैर कथात्मक लेखन और नवाचार
- इकाई – 4 : सृजनात्मक लेखन से सम्बन्धित प्रमुख ब्लॉग : परिचय एवं वैशिष्ट्य

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 19
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : नीति और नीतिकाव्य : अवधारणा एवं सैद्धान्तिकी

इकाई – 1 : 'नीति' और 'नीतिकाव्य' : अवधारणा एवं स्वरूप, नीति के प्रकार, नीतिकाव्य : काव्यत्व विषयक मत, नीतिकाव्य का प्रयोजन, पद्य, सूक्ति और काव्य में भेद

इकाई – 2 : मूल्य चेतना : अवधारणा एवं स्वरूप, मूल्य और जीवन-मूल्य, जीवन-मूल्य विषयक भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण, विविध पक्ष

इकाई – 3 : नीतिकाव्य की परम्परा : वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य, पालि साहित्य, प्राकृत साहित्य, अपभ्रंश साहित्य, आदिकालीन साहित्य, भक्तिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य में नीति और मूल्य चेतना

खण्ड – 2 : सन्तकवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : कबीर

इकाई – 2 : रज्जब

इकाई – 3 : सुन्दरदास

खण्ड – 3 : भक्तकवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : तुलसीदास

इकाई – 2 : रहीम

खण्ड – 4 : रीतिकालीन कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : बिहारीलाल

इकाई – 2 : वृन्द

इकाई – 3 : घाघ-भड्डरी

इकाई – 4 : गिरिधर कविराय

इकाई – 5 : दीनदयाल गिरि

खण्ड – 5 : अन्य कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : रैदास (रविदास)

इकाई – 2 : नानक, रसखानि

इकाई – 3 : जमाल, रामसहाय दास, सम्मन, बेताल

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. कबीर (चयनित साखी)
02. रज्जब (चयनित साखी)
03. सुन्दरदास (चयनित छन्द)
04. तुलसीदास (चयनित दोहा)
05. रहीम (चयनित दोहा)
06. बिहारीलाल (चयनित दोहा)
07. वृन्द (चयनित दोहा)
08. घाघ (चयनित कहावतें)
09. भड्डरी (चयनित कहावतें)
10. गिरिधर कविराय (चयनित छन्द)
11. दीनदयाल गिरि (चयनित छन्द)
12. रैदास (चयनित पद)
13. नानक (चयनित साखी)
14. रसखानि (चयनित दोहा)
15. जमाल (चयनित दोहा)
16. रामसहाय दास (चयनित दोहा)
17. सम्मन (चयनित दोहा)
18. बेताल (चयनित छन्द)

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 20
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी के विविध गद्य-रूप

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : निबन्ध साहित्य

इकाई – 1 : आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
इकाई – 2 : उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल
इकाई – 3 : अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
इकाई – 4 : भाषा बहता नीर – कुबेरनाथ राय
इकाई – 5 : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

खण्ड – 2 : विविध गद्य-रूप – 1

इकाई – 1 : आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन
इकाई – 2 : जीवनी-साहित्य : आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
इकाई – 3 : यात्रा-साहित्य : किन्नर देश की ओर – राहुल सांकृत्यायन

खण्ड – 3 : विविध गद्य-रूप – 2

इकाई – 1 : संस्मरण : पथ के साथी : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – महादेवी वर्मा
इकाई – 2 : रेखाचित्र : रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
इकाई – 3 : डायरी : मोहनराकेश की डायरी – मोहन राकेश
इकाई – 4 : रिपोर्ताज : बूढ़ी बामणी – सत्यनारायण

खण्ड – 4 : विविध गद्य-रूप – 3

इकाई – 1 : साक्षात्कार : एक अपना ही अजनबी – मनोहरश्याम जोशी
इकाई – 2 : पत्र-साहित्य : भिक्षु के पत्र – भदन्त आनन्द कौसल्यायन
इकाई – 3 : गद्यकाव्य : साहित्य देवता – माखनलाल चतुर्वेदी
इकाई – 4 : व्यंग्य विधा : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
02. उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल
03. अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
04. भाषा बहता नीर – कुबेरनाथ राय
05. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
06. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन (चयनित अंश)
07. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर (चयनित अंश)

08. किन्नर देश की ओर – राहुल सांकृत्यायन
09. पथ के साथी : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – महादेवी वर्मा
10. रज़िया – रामवृक्ष बेनीपुरी
11. मोहन राकेश की डायरी – मोहन राकेश (चयनित अंश)
12. बूढ़ी बामणी – सत्यनारायण
13. एक अपना ही अजनबी – मनोहर श्याम जोशी
14. भिक्षु के पत्र – भदन्त आनन्द कौसल्यायन (चयनित अंश)
15. साहित्य-देवता – माखनलाल चतुर्वेदी
16. इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 21
पाठ्यचर्या का शीर्षक : भाषाविज्ञान

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भाषा और भाषाविज्ञान

इकाई – 1 : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण
इकाई – 2 : भाषाओं का वर्गीकरण तथा उनके आधार और आकृतिमूलक वर्गीकरण
इकाई – 3 : पारिवारिक वर्गीकरण तथा भारतीय भाषाएँ
इकाई – 4 : भाषाविज्ञान : स्वरूप और व्याप्ति; भाषाविज्ञान के अंग
इकाई – 5 : भाषाविज्ञान की शाखाएँ : वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान
इकाई – 6 : भाषा परिवर्तन : स्वरूप, कारण एवं दिशाएँ

खण्ड – 2 : ध्वनि विज्ञान

इकाई – 1 : वाग्यंत्र, वाग्यंत्र का वर्गीकरण
इकाई – 2 : स्वर-व्यंजन, वैदिक संस्कृत ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण
इकाई – 3 : स्वनिम – परिभाषा, स्वनिम तथा संस्वन, स्वनिम निर्धारण की विधि, संस्वन निर्धारण की विधि, स्वनिम के भेद – (क) खंडीय स्वनिम (ख) खंडेतर स्वनिम, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था
इकाई – 4 : ध्वनि विज्ञान और स्वनिम विज्ञान, निष्पादक स्वनिम विज्ञान, निष्पादक स्वनिम विज्ञान तथा प्रभेदक लक्षण, हिन्दी की स्वनिमिक समस्याएँ – अ लोप की समस्या, उत्क्षिप्त ध्वनियाँ, नासिक्य ध्वनियों की समस्या, महाप्राण ध्वनियों की समस्या
इकाई – 5 : ध्वनि परिवर्तन : कारण, परिवर्तन तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

खण्ड – 3 : रूपविज्ञान (पदविज्ञान)

इकाई – 1 : रूपविज्ञान (पदविज्ञान) : स्वरूप एवं विषयवस्तु
इकाई – 2 : पद और शब्द, पद और सम्बन्धतत्त्व, पद विभाग : अर्थतत्त्व और सम्बन्धतत्त्व का संयोग, पद, पदबंध और वाक्य
इकाई – 3 : रूप परिवर्तन की दिशाएँ और रूप परिवर्तन के कारण

खण्ड – 4 : वाक्य विज्ञान

इकाई – 1 : वाक्य विज्ञान का स्वरूप, पद और वाक्य (अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद)
इकाई – 2 : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व
इकाई – 3 : वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार

इकाई – 4 : उपवाक्य और उसके प्रकार
इकाई – 5 : पदिम

खण्ड – 5 : अर्थ विज्ञान
इकाई – 1 : अर्थ का लक्षण, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध
इकाई – 2 : अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन, अर्थबोध (संकेत ग्रह) के बाधक तत्त्व
इकाई – 3 : एकार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय, नानार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय
इकाई – 4 : अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण
इकाई – 5 : अर्थिम, अर्थतत्त्व, अर्थिम और रूपिम में सम्बन्ध

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 22
पाठ्यचर्या का शीर्षक : नव सामाजिक विमर्श

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : विमर्शों की सैद्धान्तिकी

इकाई – 1 : स्त्री विमर्श : अर्थ, परिभाषा, लिंग तथा जेंडर, पितृसत्ता की उत्पत्ति एवं विचारधारा, यौनिकता, सत्ता, हिंसा, स्त्रीत्व, पुरुषत्व, समानता, सशक्तीकरण, नारीवाद के प्रकार तथा सिद्धान्त; महिला आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय); समकालीन हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन

इकाई – 2 : दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मान्यताएँ, दलित साहित्य की शिल्पगत प्रवृत्तियाँ : भाषा, बिम्ब, प्रतीक, मिथक; हिन्दी काव्य में दलित पीड़ा की अभिव्यक्ति, दलित-काव्यधारा, हिन्दी समीक्षा और दलित साहित्य, समकालीन हिन्दी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य परिदृश्य

इकाई – 3 : आदिवासी विमर्श : अवधारणा और स्वरूप ; जल, जंगल, जमीन और अस्मिता का सवाल, आदिवासी चेतना, मौखिक और लिखित साहित्य परम्परा, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, आदिवासी दर्शन एवं वैचारिकता, आदिवासी भाषाएँ और बोलियाँ; समकालीन हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन

खण्ड – 2 : काव्य

इकाई – 1 : स्त्रियाँ, बेजगह, तुलसी का झोला – अनामिका

इकाई – 2 : इस स्त्री से डरो, सात भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी – कात्यायनी

इकाई – 3 : कैसा उदारवाद यह, छत की तलाश, सुनो ब्राह्मण ! – मलखान सिंह

इकाई – 4 : चिड़िया जो मारी गई, तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?, शम्बूक – कँवल भारती

इकाई – 5 : कथन शालवन के अंतिम शाल का, जड़ी-बूटी पीसने की तरह, राजा ठाकुर होते थे – रामदयाल मुण्डा

इकाई – 6 : एक और जनी-शिकार, कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारो ! – ग्रेस कुजूर

खण्ड – 3 : उपन्यास

इकाई – 1 : एक जमीन अपनी – चित्रा मुद्गल

इकाई – 2 : नीला आकाश – सुशीला टाकभौरे

इकाई – 3 : जंगल के गीत – पीटर पौल एक्का एस. जे.

खण्ड – 4 : कहानी

इकाई – 1 : अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी – सुधा अरोड़ा

इकाई – 2 : अम्मा – ओमप्रकाश वाल्मीकि
इकाई – 3 : मैना – रोज केरकेट्टा

खण्ड – 5 : आत्मकथा
इकाई – 1 : मुर्दहिया – तुलसीराम

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. स्त्रियाँ, बेजगह, तुलसी का झोला – अनामिका
02. इस स्त्री से डरो, सात भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी – कात्यायनी
03. कैसा उदारवाद यह, छत की तलाश, सुनो ब्राह्मण ! – मलखान सिंह
04. चिड़िया जो मारी गई, तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?, शम्बूक – कँवल भारती
05. कथन शालवन के अंतिम शाल का, जड़ी-बूटी पीसने की तरह, राजा ठाकुर होते थे – रामदयाल मुण्डा
06. एक और जनी-शिकार, कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारो ! – ग्रेस कुजूर
07. एक ज़मीन अपनी – चित्रा मुद्गल (चयनित अंश)
08. नीला आकाश – सुशीला टाकभौरे (चयनित अंश)
09. जंगल के गीत – पीटर पौल एक्का एस॰ जे॰ (चयनित अंश)
10. अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी – सुधा अरोड़ा
11. अम्मा – ओमप्रकाश वाल्मीकि
12. मैना – रोज केरकेट्टा
13. मुर्दहिया – तुलसीराम (चयनित अंश)

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 23
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – रचनाकार का विशेष अध्ययन

अधिकतम अंक – 100 क्रेडिट – 4

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के प्रथम विकल्प के रूप में "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसमें विभिन्न युगों के उन्नायक और विधा विशेष के शीर्षस्थ 20 (बीस) रचनाकार निर्धारित किये गए हैं। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह हिन्दी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेष अध्ययन करे जिन्होंने चिन्तन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान किया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है। प्रस्तुत परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी द्वारा निर्दिष्ट रचनाकारों में से किसी एक रचनाकार के समग्र कृतित्व का सघन अध्ययन करना एवं उसका सम्यक् मूल्यांकन करते हुए न्यूनतम 10,000 (दस हजार) शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

01. कबीरदास
02. दादूदयाल
03. सुन्दरदास
04. मलिक मुहम्मद जायसी
05. सूरदास
06. मीरा
07. तुलसीदास
08. केशवदास
09. बिहारी
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
11. जयशंकर प्रसाद
12. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
13. प्रेमचंद
14. यशपाल
15. राही मासूम रज़ा
16. कृष्णा सोबती
17. रामचन्द्र शुक्ल
18. हजारीप्रसाद द्विवेदी
19. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय
20. तुलसीराम

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन
अधिकतम अंक – 100 क्रेडिट – 4

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के द्वितीय विकल्प के रूप में "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसका उद्देश्य हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना, विस्तार एवं प्रचार-प्रसार में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं / नाट्य-संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान को निरूपित करना है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य है कि एम.ए. स्तर का विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य तक ही सीमित न रहकर हिन्दी की विस्तृत संस्कृति से भी भली-भाँति परिचित हो सके। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से एक-एक (1-1) इकाई से सम्बद्ध विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे एवं प्रत्येक खण्ड से सम्बन्धित विषय का न्यूनतम दो हजार पाँच सौ (2500) शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करे।

खण्ड – 1 : हिन्दी की संस्कृति : संस्थाएँ

श्रीवेंकटेश प्रेस, बम्बई; भारत जीवन प्रेस, काशी; नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ; इंडियन प्रेस, इलाहाबाद; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी एवं आरा; गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ; हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद, पटना, गया; राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा; राजस्थान साहित्य अकादेमी, उदयपुर; असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी; महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे; दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई; भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा; उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना; भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद आदि तथा हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख नाट्य-संस्थाएँ

खण्ड – 2 : हिन्दी की संस्कृति : पत्रिकाएँ

हिन्दी प्रदीप, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, प्रभा, चाँद, हंस, नई कहानियाँ, कल्पना, दिनमान, आलोचना, पूर्वग्रह, प्रतीक, धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, सारिका, नटरंग, पहल, वसुधा, रंग-प्रसंग, तद्भव, दलित अस्मिता, मगहर, लहर, वातायन, कहानी, साहित्यकार, नया साहित्य, कवि, कृति, नई कविता, इन्दु, नई धारा, ज्योत्स्ना, माध्यम, नया ज्ञानोदय, कथादेश, वागर्थ, परीकथा, पाखी, वर्तमान साहित्य आदि

खण्ड – 3 : हिन्दी की संस्कृति : आन्दोलन

ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, खड़ीबोली का आन्दोलन, हिन्दी-उर्दू-हिन्दुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आन्दोलन, परिमल, भारतीय नाट्य आन्दोलन, दलित लेखन, लघुपत्रिका आन्दोलन, हिन्दी की आभासी (वर्चुअल) दुनिया आदि

खण्ड – 4 : हिन्दी की संस्कृति और उसका प्रसार

1. पुस्तकालय : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी का आर्यभाषा पुस्तकालय; काशीनरेश का पुस्तकालय, रामनगर; दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा के महाराजाओं के पुस्तकालय; नेशनल आर्काइव्स पुस्तकालय, पटियाला; गायकवाड ओरियंटल रिसर्च इंस्टिटयूट, बड़ोदरा; शिवसिंह सेंगर का पुस्तकालय; गोविन्द चतुर्वेदी, जवाहरलाल चतुर्वेदी मथुरा के पुस्तकालय; शूरवीर सिंह, अलीगढ़ का पुस्तकालय; भवानीसिंह याज्ञिक का पुस्तकालय; श्रीरामानन्द सरस्वती पुस्तकालय, जोकहरा, आजमगढ़ आदि
2. हिन्दी क्षेत्र के प्रमुख केन्द्र, यथा – कलकत्ता, पटना, बनारस, इलाहाबाद, दिल्ली, भोपाल आदि की साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ
3. साहित्य का अन्य माध्यमों में रूपान्तरण : साहित्यिक कृतियों पर बनने वाली फ़िल्में / सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिक, कहानियों और कविताओं का मंचन
4. प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास, पटना; रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद; इंडियन प्रेस प्रा. लि., इलाहाबाद; पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली; ज्ञानमण्डल प्रा. लि., वाराणसी; साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद; सस्ता साहित्य मण्डल, नयी दिल्ली; नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद; चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद; किताब महल, इलाहाबाद; नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली; प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली; भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली; साहित्य अकादेमी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; हिन्द पॉकेट बुक्स, नयी दिल्ली; राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली; राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली आदि

❖❖❖

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MA_HIN_Syllabus_DDE_2016-18.pd